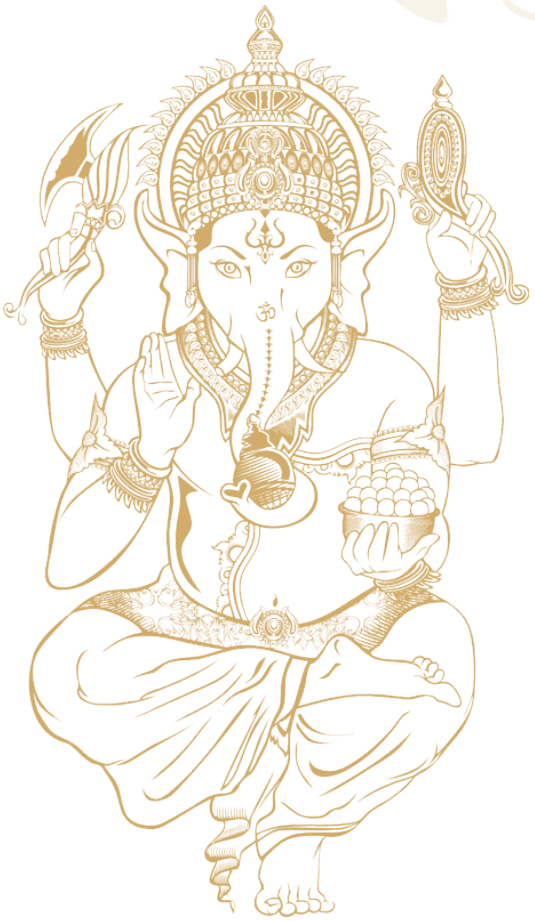

02 Feb 2018

06:55 AM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121397602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**1-02/02/2018**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**06:55:00 घंटे**
इष्ट	59:49:07 घटी
स्थान	**Jhansi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:39:16 घंटे
वेलान्तर	-00:13:33 घंटे
साम्पातिक काल	15:28:03 घंटे
सूर्योदय	06:59:21 घंटे
सूर्यास्त	17:59:33 घंटे
दिनमान	11:00:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	19:01:54 मकर
लग्न के अंश	16:49:49 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शोभन
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मू-मुकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	16:49:49	418:20:29	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
सूर्य			मक	19:01:54	01:00:52	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	09:40:01	14:33:19	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	09:53:34	00:36:43	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	स्वराशि
बुध		अ	मक	08:16:38	01:36:30	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
गुरु			तुला	27:15:15	00:06:08	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	24:43:07	01:15:17	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	मित्र राशि
शनि			धनु	10:50:02	00:06:04	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
राहु			कर्क	20:49:31	00:00:09	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			मक	20:49:31	00:00:09	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	00:51:42	00:01:32	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	---
नेप			कुंभ	18:42:30	00:02:02	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	---
प्लूटो			धनु	25:44:49	00:01:55	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
दशम भाव			वृश्चि	00:16:27	--	विशाखा	--	16	मंगल	गुरु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:06:24

लग्न-चलित

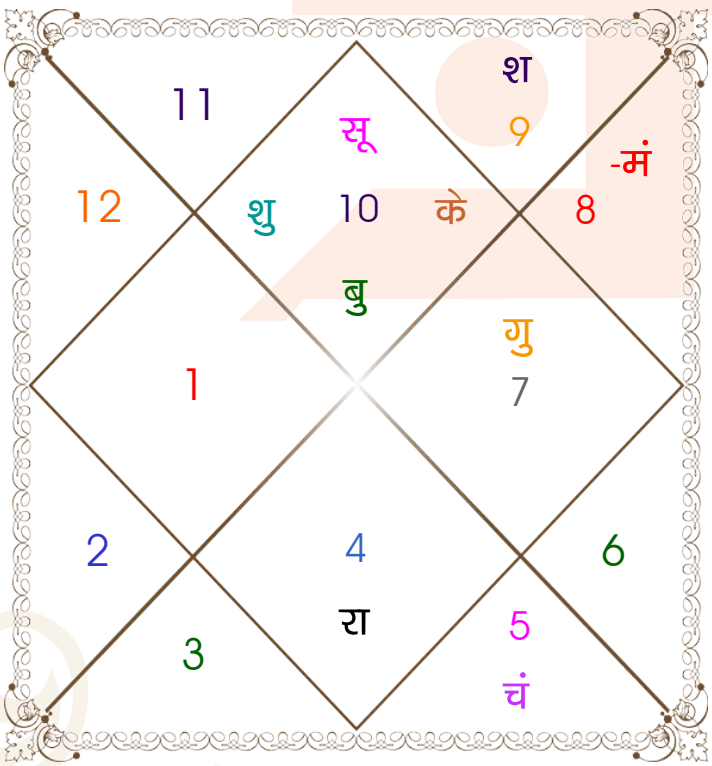

चन्द्र कुंडली

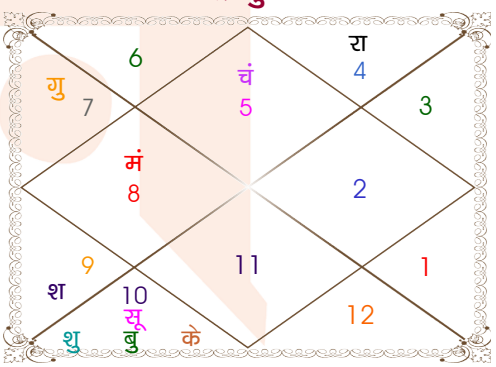

नवमांश कुंडली

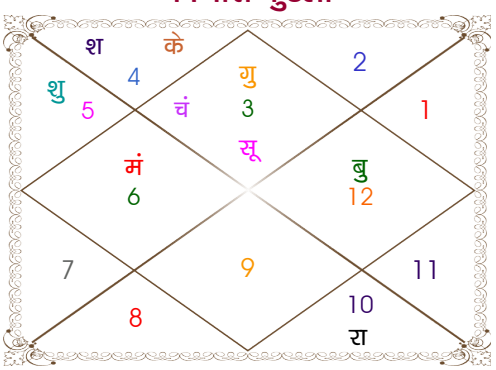

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 11 मास 2 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
02/02/2018		06/01/2020		06/01/2040		05/01/2046		06/01/2056	
06/01/2020		06/01/2040		05/01/2046		06/01/2056		06/01/2063	
	00/00/0000	शुक्र	07/05/2023	सूर्य	24/04/2040	चंद्र	06/11/2046	मंगल	03/06/2056
	00/00/0000	सूर्य	07/05/2024	चंद्र	24/10/2040	मंगल	07/06/2047	राहु	21/06/2057
	00/00/0000	चंद्र	05/01/2026	मंगल	01/03/2041	राहु	06/12/2048	गुरु	28/05/2058
	00/00/0000	मंगल	07/03/2027	राहु	24/01/2042	गुरु	07/04/2050	शनि	07/07/2059
	00/00/0000	राहु	07/03/2030	गुरु	12/11/2042	शनि	06/11/2051	बुध	03/07/2060
	00/00/0000	गुरु	05/11/2032	शनि	25/10/2043	बुध	06/04/2053	केतु	30/11/2060
	02/02/2018	शनि	06/01/2036	बुध	30/08/2044	केतु	05/11/2053	शुक्र	30/01/2062
शनि	09/01/2019	बुध	06/11/2038	केतु	05/01/2045	शुक्र	07/07/2055	सूर्य	07/06/2062
बुध	06/01/2020	केतु	06/01/2040	शुक्र	05/01/2046	सूर्य	06/01/2056	चंद्र	06/01/2063

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
06/01/2063		05/01/2081		05/01/2097		07/01/2116		06/01/2133	
05/01/2081		05/01/2097		07/01/2116		06/01/2133		00/00/0000	
राहु	18/09/2065	गुरु	23/02/2083	शनि	09/01/2100	बुध	04/06/2118	केतु	04/06/2133
गुरु	11/02/2068	शनि	06/09/2085	बुध	19/09/2102	केतु	02/06/2119	शुक्र	04/08/2134
शनि	18/12/2070	बुध	12/12/2087	केतु	29/10/2103	शुक्र	02/04/2122	सूर्य	10/12/2134
बुध	07/07/2073	केतु	17/11/2088	शुक्र	28/12/2106	सूर्य	06/02/2123	चंद्र	11/07/2135
केतु	25/07/2074	शुक्र	19/07/2091	सूर्य	10/12/2107	चंद्र	07/07/2124	मंगल	07/12/2135
शुक्र	25/07/2077	सूर्य	07/05/2092	चंद्र	11/07/2109	मंगल	05/07/2125	राहु	25/12/2136
सूर्य	19/06/2078	चंद्र	06/09/2093	मंगल	20/08/2110	राहु	22/01/2128	गुरु	01/12/2137
चंद्र	19/12/2079	मंगल	12/08/2094	राहु	26/06/2113	गुरु	29/04/2130	शनि	03/02/2138
मंगल	05/01/2081	राहु	05/01/2097	गुरु	07/01/2116	शनि	06/01/2133		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 11 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म श्रवण नक्षत्र के तृतीय चरण में मकर लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन नवमांश एवं वृषभ द्रेष्काण भी उदित था। फलस्वरूप आपके जन्म के साथ-साथ लक्ष्मी और सरस्वती दोनों का शुभागमन की स्थापना हो रही है। अर्थात् आपका जीवन ज्ञान और लक्ष्मी दोनों से युक्त रहेगा। देवी-देवता द्वारा ज्ञान एवं लक्ष्मी की वृद्धि आपके पक्ष में होगा। आपका जीवन सुखी एवं आनंदपूर्ण रहेगा। आप बहुत बड़े भाग्यशाली हैं। आपकी पत्नी आकर्षक एवं घर-परिवार को सुव्यवस्थित रखने वाली तथा संतान समझदार होंगे।

आप गायन कला की गहन शिक्षा प्राप्त कर गायन कला में निपुणता प्राप्त कर आप अपने कर्म क्षेत्र का विस्तार करेंगे। साथ ही ज्योतिष एवं गणितीय शिक्षा में सर्वथा संभाव्य अभिरूचि रखेंगे। आपका सामान्य ज्ञान की छाप बहुत लोगों पर प्रभाव डालेगा तथा जो व्यक्ति आपसे संबंधित रहेंगे। वे लोग आपके पास पहुंच कर, वे बहुत विषयों से संबंधित आपकी राय एवं निर्देशन प्राप्त करेंगे।

अतएव आप संबंधित व्यक्ति द्वारा धन का संचय करेंगे। आप भाग्यशाली हैं। आप अपने जीवन की आयु के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष के मध्य सर्वाधिक लाभ उपार्जन हेतु उंची छलांग लगाकर अपनी जड़ को सुदृढ़ कर लेंगे। आप ऐसी आशा कर सकते हैं कि आप अपने अंतर्ज्ञान एवं आंतरिक अपार शक्ति के सम्मिलन से अतिरिक्त धन प्राप्ति एवं समृद्धि हेतु अपनी क्षमता के अनुरूप कठिन श्रम करेंगे। आप अपने आत्मिक शक्ति के आधार पर किसी भी प्रकार के कार्य व्यवसाय के पीछे पड़ कर कार्यारंभ कर सकेंगे। चाहे कितनी भी मुश्किलें आएं। आप उसका सामना करेंगे। आप किसी भी विषय पर बहुत अधिक चिंता करते हैं। आप इन चिंताओं का परित्याग करे अन्यथा कुछ वर्षों के बाद आपको पाचन क्रिया की विकृत्ति जैसी समस्याओं को झेलना पड़ेगा। आपको कतिपय रोगादि के प्रति सतर्क रहना चाहिए। यथा उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति में बृद्धि, गठिया संबंधित रोग जनित पीड़ा एवं क्षय रोगादि के कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप इन विंदुओं पर समय-समय पर चिकित्सा संबंधी जांच कराते रहें।

आप दानशील प्रवृति के प्राणी हैं। आप उदारभाव से संस्थाओं को दान करेंगे तथा स्वयंसेवी होकर सामाजिक सेवा करेंगे। आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्रवृति के प्राणी होकर अनेक तीर्थस्थलों का भ्रमण करेंगे।

आपके लिए अंकों में उत्तम अंक 6, 8 एवं 9 अंक लाभप्रदायक होगा। परंतु अंक 3 का सर्वथा त्याग करे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन उत्तम फलदायी है। परंतु रविवार, सोमवार एवं बृहस्पतिवार का दिन आपके लिए समस्याग्रस्त रहेगा। अतएव इन दिनों का परित्याग करें।

आपके लिए रंगों में पीला एवं क्रीम रंग सर्वथा अनुपयुक्त है। आपके लिए व्यवहारणीय रंग सफेद, काला, लाल एवं नीला रंग उपयुक्त है।